

परिणामी बजट वर्ष 2015-16

विभाग- मछली पालन विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, मत्स्योद्योग

राशि हजार ₹ में

| क्र. | योजना/कार्यक्रम का नाम | उद्देश्य/परिणाम | आयोजना राशियां 2015-16 | क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स | टिप्पणियां |
|------|--|--|---------------------------|--|------------|
| 1 | मत्स्य बीज उत्पादन | (1) वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन हेतु उन्नत किस्म का मत्स्यबीज का उत्पादन । (2) उपलब्ध जल संसाधनों से मांग अनुरूप मत्स्य बीज की आपूर्ति । | 33170 | 14900 लाख मत्स्य बीज का उत्पादन प्रक्षेत्रों पर 5 पैकिंग शेड, इक्यूवेशनयूल शेड एवं संवर्धन पोखर निर्माण | |
| 2 | जलाशयों एवं नदियों में मत्स्योद्योग का विकास | मत्स्यपालन विकास हेतु जलाशयों का प्रबंधन मत्स्योत्पादन बढ़ाना, मत्स्य प्रजनक संग्रहण, अनुसंधान एवं शिक्षण-प्रशिक्षण आदि आवश्यकताओं की पूर्ति । | 22496 | 34 विभागीय जलाशयों एवं एनीकट व नदियों में 1920 लाख फिगरलिंग संचय | |
| 3 | मत्स्यपालन प्रसार | अनूसूचित जाति/जनजाति के मछुआरों को मीठे जल में पालीकल्चर झींगापालन एवं शिक्षण-प्रशिक्षण आदि आवश्यकताओं की पूर्ति। | 37150 | ✓ 10200 मछुआरों को मीठे जल में पालीकल्चर, झींगा पालन हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना ✓ मछुआरों को मत्स्य बीज संवर्धन हेतु नाव-जाल क्रय हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना । ✓ अंगुलिका संचयन तथा फुटकर मत्स्य विक्रय हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना । | |
| 4 | विस्तार एवं प्रशिक्षण | मछुआरों को आधुनिक तकनीक द्वारा मत्स्य पालन हेतु 10 दिवसीय प्रशिक्षण एवं राज्य के बाहर अध्ययन हेतु भ्रमण पर प्रशिक्षण। | 28662 | 500 प्रगतिशील मछुआरों का प्रदेश के बाहर अध्ययन भ्रमण । 16000 मत्स्य पालकों को 10 दिवसीय एवं 3 दिवसीय मत्स्यपालन प्रशिक्षण । | |
| 5 | मछुआ सहकारी समितियों को अनुदान | पंजीकृत सहकारी समितियों को मत्स्य पालन हेतु तालाब की पट्टा राशि, मत्स्य बीज, क्रय एवं संचयन, नायलोन धागा, डोंगा क्रय आदि पर ऋण एवं अनुदान सहायता । | 20200 | मत्स्य महासंघ को स्थापना अनुदान 210 सहकारी समितियों को अनुदान । | |
| 6 | मछुआ सहकारिता एवं मत्स्य विक्रय | मत्स्यपालन एवं मत्स्याखेट के समय दुर्घटना | 40088 | | |

परिणामी बजट वर्ष 2015-16

विभाग- मछली पालन विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, मत्स्योद्योग

राशि हजार ₹ में

| क्र. | योजना/कार्यक्रम का नाम | उद्देश्य/परिणाम | आयोजना राशियां 2015-16 | क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स | टिप्पणियां |
|------|---|---|---------------------------|--|------------|
| | | की स्थिति में मछुआरा / उत्तराधिकारी को बीमा के माध्यम से आर्थिक सहायता । अल्पावधि बचत सह राहत योजना के तहत मत्स्याखेट पर प्रतिबंध के कारण रोजगार से वंचित मछुआरों को आर्थिक सहायता। | | 175000 मत्स्य पालकों का दुर्घटना बीमा । 8000 हितग्राहियों को बचत सह राहत योजना से लाभांशित करना । 400 मछुआ आवास निर्माण कर हितग्राहियों को योजना में शामिल करना । | |
| 7 | मात्स्यिकी पालन क्षेत्र के लिए डाटाबेस, इन्फॉर्मेशन एवं नेटवर्किंग का सुदृढीकरण । | अन्तर्देशीय मात्स्यिकी अंतर्गत जलक्षेत्रों का सर्वेक्षण, मत्स्यपालन संबंधी आंकड़े एकत्रीकरण एवं सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से आंकड़े केन्द्र शासन को उपलब्ध कराना | 4000 | डाटाबेस इन्फॉर्मेशन केन्द्र तथा डाटाबेस संग्रहण पर व्यय | |
| 8 | राष्ट्रीय कृषि विकास योजना | राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत मत्स्य पालन के विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना। | 280000 | सरकुलर हैचरी 01 इकाई स्थापना, मौसमी तालाब में स्पान संवर्धन 300 हितग्राहियों हेतु मत्स्य बीज संवर्धन इकाई स्थापना, 10 प्रक्षेत्रों का सुदृढीकरण 30 हैक्ट. जलक्षेत्र एवं प्रदर्शन इकाई स्थापना, मत्स्य आहार से 2000 एवं अंगुलिका संचयन से 25000 हितग्राही, नाव-जाल सहायता अंतर्गत 200 समिति एवं 100 हितग्राही तथा 5 कोल्ड चेन की स्थापना, 3600 मत्स्य कृषकों को फुटकर मछली विक्रय का लाभ तथा हितग्राहियों के तालाब में मत्स्य उत्पादकता वृद्धि के लिए तालाबों में सिफेक्स प्रयोग हेतु 1000 हितग्राहियों एवं 02 केज स्थापना, 01 प्रान कल्चर इकाई स्थापना, 30 हेक्ट. जलक्षेत्र/तालाब निर्माण पर आर्थिक सहायता । | |
| 9 | मत्स्यालय | मत्स्य हैचरियों का रखरखाव, प्रदर्शनी तथा मत्स्यालय की स्थापना | 10810 | | |

परिणामी बजट वर्ष 2015-16

विभाग- मछली पालन विभाग

विभागाध्यक्ष- संचालक, मत्स्योद्योग

राशि हजार ₹ में

| क्र. | योजना/कार्यक्रम का नाम | उद्देश्य/परिणाम | आयोजना राशियां 2015-16 | क्वांटिफायेबल डिलीवरेबल्स | टिप्पणियां |
|------|--------------------------------------|--|---------------------------|---|------------|
| 10 | मत्स्य कृषक विकास अभिकरणों को अनुदान | ग्रामीण तालाबों में मत्स्य पालन हेतु स्वयं के व्यय अथवा बैंको के ऋण पर हितग्राहियों को अनुदान/आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना । | 10000 | 05 अलंकारिक मत्स्य हैचरी का रखरखाव तथा 18 जिलों को प्रदर्शनी हेतु व्यय मत्स्यालय निर्माण अन्तर्गत पुरखौती मुक्तांगन, नया रायपुर में मछलीघर का निर्माण हितग्राहियों को मत्स्य पालन हेतु स्वयं के व्यय अथवा बैंक ऋण पर अनुदान/आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जावेगी । | |